

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना
2.	मेजर मिनरल ब्लॉक ऑक्शन में राजस्थान प्रथम स्थान पर
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स (राजस्थान) 1. हेलीबॉर्न ऑपरेशन : पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज 2. अटल आवासीय योजना 3. गंगा, यमुना, सरस्वती विहार
4.	बनकाचेरला जलाशय परियोजना
5.	प्रधानमंत्री की अफ्रीकी देश घाना की यात्रा
6.	स्विट्ज़रलैंड का रोन ग्लेशियर
7.	स्टेट ऑफ क्लाइमेट इन एशिया 2024 - रिपोर्ट
8.	CRISPR-dCas9 प्रौद्योगिकी
9.	स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट - INS उदयगिरि
10.	संथाल हुल दिवस की 170वीं वर्षगाँठ
11.	नंदन निलेकणी : 'इंडिया एनर्जी स्टैक' के मुख्य मार्गदर्शक
12.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 78वीं सीनियर नेशनल एक्वाटिक्स चैंपियनशिप 2025 2. कजाकिस्तान में सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढंकने पर प्रतिबंध 3. एशियन यूथ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 4. 'द वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट'

राजस्थान परिदृश्य

पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान राज्य सरकार द्वारा 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' के तहत पहले चरण में 5,000 गांवों का चयन किया गया है।



हमारी सरकार का संकल्प

"गरीबी मुक्त राजस्थान"

बनाना है।

इसी दिशा में हमारी सरकार ने

'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना'

शुरू की है, जिसके माध्यम से हम पहले चरण में
5 हजार गांवों में सभी बीपीएल परिवारों को
गरीबी रेखा से ऊपर लाएंगे।

→ मुख्य बिंदु :

- योजना का लक्ष्य : प्रदेश के बी. पी. एल. (Below Poverty Line) ग्रामीण परिवारों का आर्थिक सशक्तीकरण करना तथा उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाना।
- योजना का उद्देश्य : बी. पी. एल. जनगणना 2002 के अनुसार चिह्नित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।

Daily Current Affairs

Date : 03 July, 2025



- **विस्तार** : यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जाएगी।
- **प्रथम चरण** : योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631 बी. पी. एल. परिवारों को चिन्हित किया गया है।

योजना के मुख्य प्रावधान:

- चयनित 5000 गांवों के बी. पी. एल. परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए ₹300 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
- इस योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में विशेष वित्तीय पुरस्कार दिए जाएंगे।
- त्रैमासिक रैंकिंग के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को क्रमशः ₹50 लाख, ₹35 लाख और ₹25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।
- राज्य सरकार द्वारा स्वयं के प्रयासों से गरीबी रेखा के ऊपर आने वाले परिवारों को सम्मान स्वरूप ₹21 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप 'आत्मनिर्भर परिवार कार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।

मेजर मिनरल ब्लॉक ऑक्शन में राजस्थान प्रथम स्थान पर

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के लेड, जिंक, आयरन अयस्क, लाइमस्टोन, फ्लोराइट और कॉपर सहित मेजर मिनरल के 12 ब्लॉक की ई-नीलामी की प्रक्रिया आरंभ की गई।



- ज्ञातव्य है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 34 मेजर मिनरल

ब्लॉकों की नीलामी के साथ राजस्थान पूरे देश में शीर्ष पर रहा था।

➔ मुख्य बिंदु :

- इन 12 ब्लॉक्स में से आयरन का 1 और लाइमस्टोन के 3 ब्लॉक्स की माइनिंग लीज के लिए और 8 ब्लॉक्स की कंपोजिट लाइसेंस के लिए केन्द्र सरकार के मेटल स्क्रेप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MSTC) पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी की जा रही है।

माइनिंग लीज़ के लिए ऑक्शन:

- **जैसलमेर - खाबिया, खाबिया ईस्ट, पारेवर (लाइमस्टोन)**
- **कोटपूतली-बहरोड़ - बागावास (आयरन)**

कंपोज़िट लाइसेंस की ई-नीलामी:

- **जालौर** - चटवाड़ा (फ्लोराइट)
- **भीलवाड़ा** - वेस्ट सामोदी (कॉपर-लेड-जिंक)
- **बांसवाड़ा** - गड़ारिया (मैंगनीज)
- **सवाई माधोपुर** - चौथ का बरवाड़ा (लेड-जिंक)
- **ब्यावर** - शाहपुरा (कॉपर एसोसिएटेड गोल्ड), कूर्तियान (कॉपर)
- **भीलवाड़ा** - कजलोड़िया सुल्तानगढ़ (मल्टी मिनरल्स)
- **राजसमंद** - मोजावतों का गुढ़ा (पन्ना)

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- मिनरल एक्सप्लोरेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (AI) : राजस्थान में खनिजों की खोज के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स व मशीन लर्निंग तकनीक के लिए भीलवाड़ा, भरतपुर और चित्तौड़गढ़ में पायलट प्रोजेक्ट का संचालन किया जाएगा।

राजस्थान खनिज नीति 2024

- **जारी** - 04 दिसंबर, 2024 को।
- राजस्थान खनिज नीति 2024 का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक कल्याण सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास के लिए राज्य के प्रचुर खनिज संसाधनों का लाभ उठाते हुए टिकाऊ, पारदर्शी और जिम्मेदार खनिज विकास को बढ़ावा देना है।

Daily Current Affairs

Date : 03 July, 2025



मुख्य विशेषताएं:

- **आर्थिक विकास और निवेश:** खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना और राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में इस क्षेत्र के योगदान को बढ़ाना।
- **रोजगार सृजन:** वर्ष 2047 तक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 1 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।
- **स्थिरता और ई.एस.जी. अनुपालन:** शून्य अपशिष्ट खनन, पर्यावरण अनुकूल तकनीकों और अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना।
- **प्रौद्योगिकी एकीकरण:** उन्नत अन्वेषण तकनीकों, A.I. आधारित निगरानी और डिजिटल प्रशासन अपनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करना।
- **अवैध खनन शमन:** GPS- आधारित ट्रैकिंग, जियो-फेंसिंग और रीयल-टाइम निगरानी का उपयोग कर अवैध गतिविधियों को रोकना।

प्रमुख पहल :

- वर्ष 2047 तक खनिज निष्कर्षण को 58 से बढ़ाकर 70 तक करना।
- पूर्व-निर्धारित स्वीकृति के साथ 50 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी।
- खनन रियायत क्षेत्र को वर्ष 2047 तक राज्य की कुल भूमि के 2 प्रतिशत तक बढ़ाना।
- स्वच्छ ऊर्जा के समर्थन में रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे - लिथियम, रेयर अर्थ एलीमेंट्स) को बढ़ावा देना।
- खनिज संसाधनों में मूल्य संवर्धन और अनुसंधान हेतु एक राज्य खनन कंपनी की स्थापना करना।

--: 6 ::--

न्यूज़ इन शॉर्ट्स (राजस्थान)

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>हेलीबॉर्न ऑपरेशन : पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज</p>  <p>◆ जैसलमेर जिले की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना की दक्षिणी कमांड द्वारा हाई इंटेन्सिटी युद्धाभ्यास हेलीबॉर्न ऑपरेशन का आयोजन किया जा रहा है।</p>
2.	<p>अटल आवासीय योजना</p>  <p>अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर</p>

- ♦ राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत द्वारा अजमेर विकास प्राधिकरण की अटल आवासीय योजना चाचियावास का ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया का शुभारम्भ किया गया।

3.

गंगा, यमुना, सरस्वती विहार



- ♦ हाल ही में, जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) द्वारा गंगा, यमुना, सरस्वती आवासीय क्षेत्रों के नाम से आवासीय भूखंड योजना के अंतर्गत लॉटरी निकाली गई।
- ♦ इस योजना का उद्देश्य लोगों को आवास उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत कुल 765 आवासीय भूखंड प्रस्तावित हैं।

राष्ट्रीय परिदृश्य

बनकाचेरला जलाशय परियोजना

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बनकाचेरला जलाशय परियोजना को लेकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच एक नया अंतर-राज्यीय जल संघर्ष उत्पन्न हुआ है।

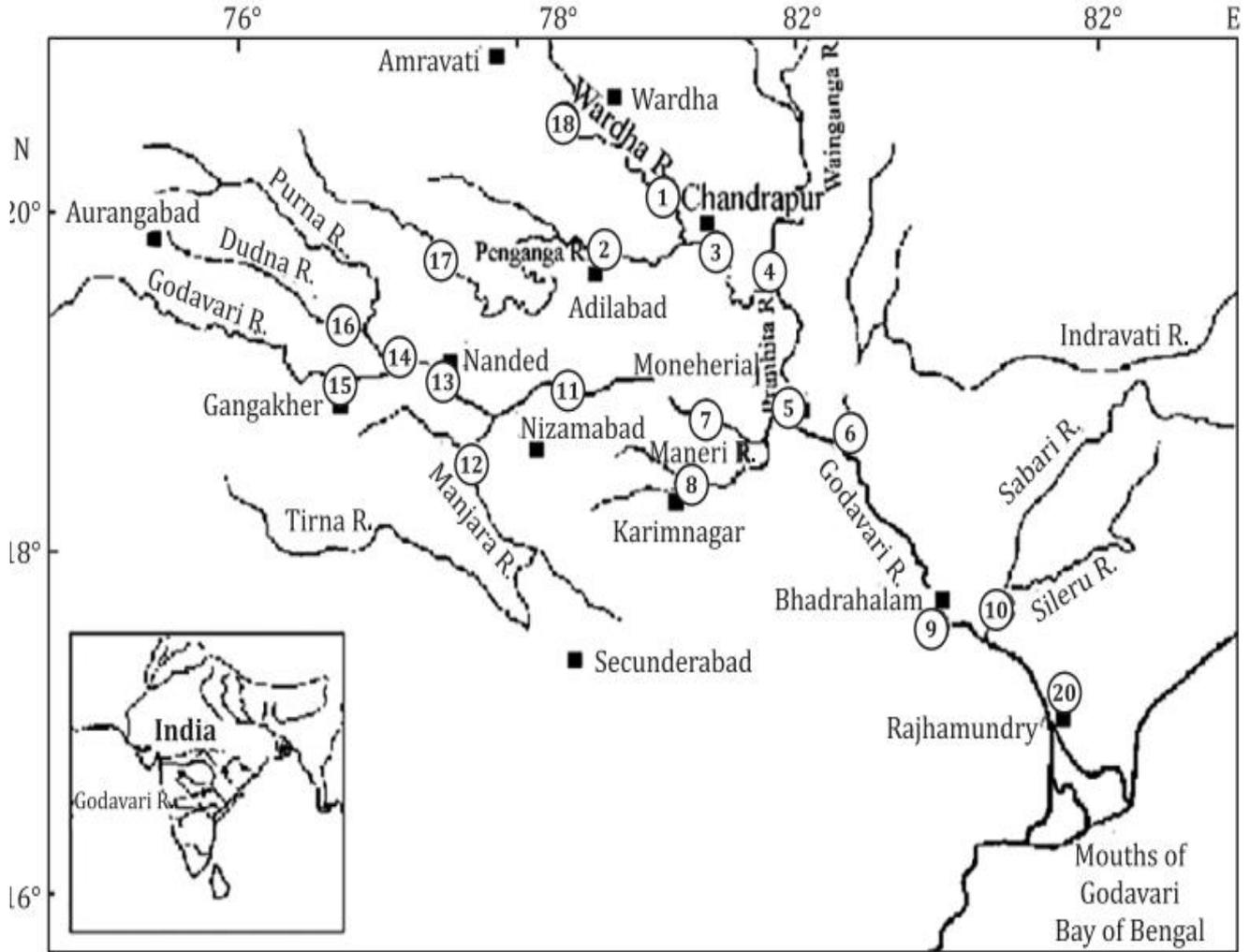


→ मुख्य बिंदु :

- तेलंगाना सरकार ने बनकाचेरला जलाशय परियोजना का विरोध करते हुए इसे आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 का उल्लंघन करार दिया है।
- यह परियोजना आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित एक सिंचाई योजना है, जिसका उद्देश्य रायलसीमा क्षेत्र में सूखे की स्थिति से निपटने हेतु गोदावरी नदी के अतिरिक्त जल का उपयोग करना है।
- इस योजना के तहत गोदावरी नदी के अधिशेष जल को कृष्णा नदी प्रणाली के माध्यम से स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है।

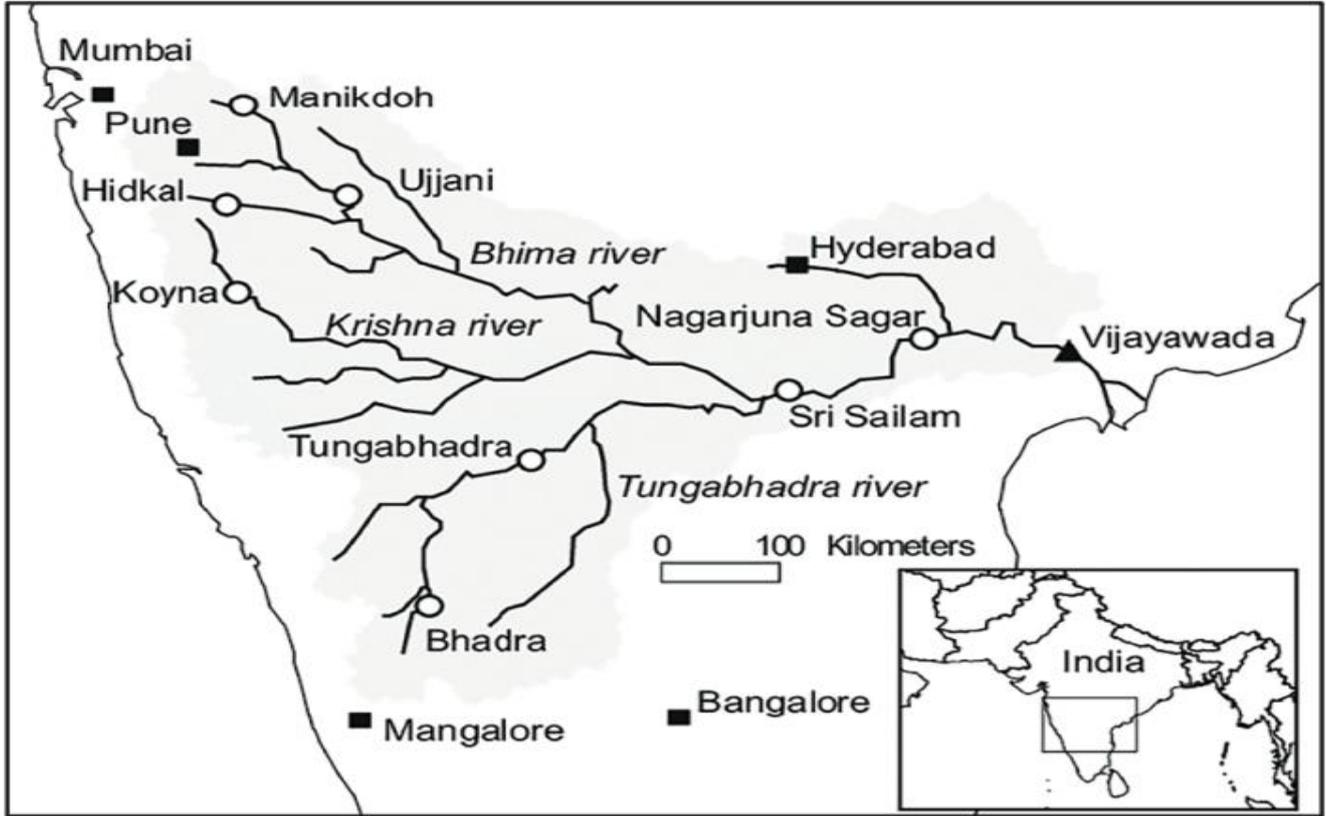
फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

गोदावरी नदी:



- **उद्गम** : महाराष्ट्र के नासिक जिले में (त्रयंबकेश्वर) से।
- **लंबाई** : 1465 किमी.।
- यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी है, जिसे "दक्षिण गंगा" कहा जाता है।
- **प्रमुख सहायक नदियाँ** - पेनगंगा, इंद्रावती, प्राणहिता, मंजरा, प्रवरा, इंद्रावती, वेनगंगा, वर्धा, पेंच, कन्हन, बिन्दुसार और सबरी।

कृष्णा नदी:



- **उद्गम** : सह्याद्री पहाड़ियों (पश्चिमी घाट) में महाबलेश्वर के पास से।
- **लंबाई** : 1401 किमी. (प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी)
- यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के माध्यम से पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है।
- इस नदी के तट पर सांगली (महाराष्ट्र) और विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) शहर स्थित हैं।

महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ:

- **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ** : वेन्ना, कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा, मालप्रभा और तुंगभद्रा।
- **बाएं किनारे की सहायक नदियाँ** : पेदावगु, हलिया, मुसी, पलेरू, मुनेरू, भीमा, डिंडी।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

प्रधानमंत्री की अफ्रीकी देश घाना की यात्रा

➔ चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 देशों : घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा के प्रथम चरण में घाना की राजधानी अकरा पहुंचे।



➔ मुख्य बिंदु :

- घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने भारतीय प्रधानमंत्री को घाना के राष्ट्रीय अवार्ड 'द ऑफिसर ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ द स्टार ऑफ़ घाना' से सम्मानित किया।

मुख्य समझौते:

- सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (CEP) पर समझौता ज्ञापन (MoU):
- कला, संगीत, नृत्य, साहित्य और विरासत के क्षेत्रों में अधिक सांस्कृतिक समझ और आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए।

--: 12 :-

Daily Current Affairs

Date : 03 July, 2025



- भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) और घाना मानक प्राधिकरण (GSA) के बीच समझौता ज्ञापन: मानकीकरण, प्रमाणीकरण और अनुरूपता आकलन के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से।
- घाना के इंस्टिट्यूट ऑफ़ ट्रेडिशनल एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन (ITAM) और भारत के इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (ITRA) के बीच समझौता ज्ञापन: पारंपरिक चिकित्सा की शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान में सहयोग हेतु।
- संयुक्त आयोग की बैठक पर समझौता ज्ञापन:
- नियमित रूप से द्विपक्षीय सहयोग तंत्र की समीक्षा और उच्च-स्तरीय संवाद को संस्थागत रूप देने के लिए।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

स्विट्ज़रलैंड का रोन ग्लेशियर

→ चर्चा में क्यों?

- स्विट्ज़रलैंड का रोन ग्लेशियर अत्यधिक तीव्रता से सिकुड़ रहा है जिसके 21वीं सदी के अंत तक पूरी तरह लुप्त होने की आशंका है।



→ मुख्य बिंदु :

- **अवस्थिति:** रोन ग्लेशियर दक्षिणी स्विस आल्प्स में फुर्का दर्रे के समीप इटली की सीमा के पास स्थित है।
- यह रोन नदी का उद्गम स्थल भी है, जो स्विट्ज़रलैंड और फ्रांस से होकर बहती हुई अंततः भूमध्य सागर में गिरती है।
- **महत्त्व:** यह स्विट्ज़रलैंड का सबसे आसानी से पहुँचा जा सकने वाला और सर्वाधिक अध्ययन किया गया ग्लेशियर है। वर्तमान में यह देश का पाँचवाँ सबसे बड़ा ग्लेशियर है।

आल्प्स पर्वतमाला:

- **अवस्थिति :** मध्य और दक्षिणी यूरोप के 8 देशों; फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, इटली, मोनाको, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्लोवेनिया और लिकटेंस्टीन।
- **लंबाई :** लगभग 1,200 किमी (फ्रांस से स्लोवेनिया तक)
- **सबसे ऊँची चोटी :** मोंट ब्लांक (4,808 मीटर)

स्टेट ऑफ क्लाइमेट इन एशिया 2024 – रिपोर्ट

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा 'स्टेट ऑफ क्लाइमेट इन एशिया 2024' रिपोर्ट जारी की गई।



→ मुख्य बिंदु :

- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में एशिया वैश्विक औसत की तुलना में लगभग दो गुना अधिक तेजी से गर्म हुआ, जिससे यह अब तक दर्ज किए गए वर्षों में सबसे गर्म वर्ष बन गया। इस दौरान महाद्वीप का औसत तापमान पिछले 30 वर्षों (1991-2020) के औसत से 1.04°C अधिक रहा।

- तेजी से बढ़ती गर्मी वैश्विक तापमान वृद्धि की तुलना में लगभग दोगुनी दर से हो रही है, जिसके कारण क्षेत्र में विभिन्न चरम मौसमी घटनाएं और गंभीर आर्थिक व मानवीय प्रभाव देखने को मिले हैं।

चरम मौसमी घटनाएं:

- एशियाई देशों को वर्ष 2024 के दौरान 29 उष्णकटिबंधीय चक्रवात, लंबी अवधि की गर्म लहरें और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं का सामना करना पड़ा।
- भारत में अत्यधिक गर्मी के कारण 450 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई तथा तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया।
- भारत में बिजली गिरने की घटनाओं के कारण लगभग 1,300 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात यागी, एशिया के सबसे घातक चक्रवातों में से एक रहा, जिसने फिलीपींस और चीन सहित कई देशों को प्रभावित किया।

हिमनद सिकुड़न:

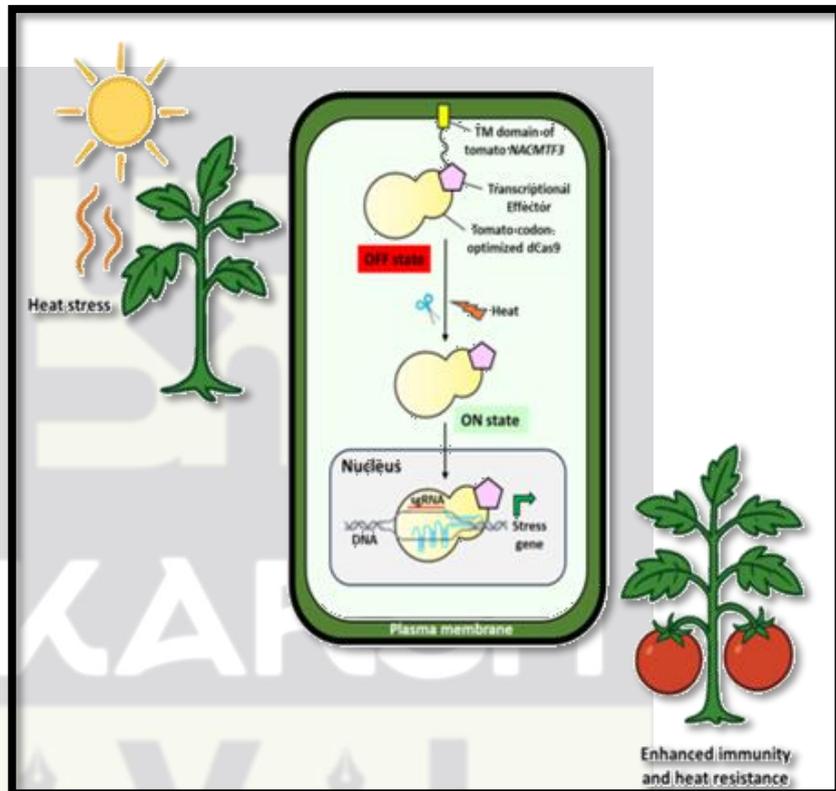
- मध्य और दक्षिण एशिया के 24 में से 23 ग्लेशियरों में तीव्र सिकुड़न और संरचनात्मक क्षति दर्ज की गई।
- अरब के रेगिस्तान और म्यांमार के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

CRISPR-dCas9 प्रौद्योगिकी

➔ चर्चा में क्यों?

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के अंतर्गत कार्यरत बोस संस्थान के वैज्ञानिकों ने एक नवीन CRISPR-dCas9 आधारित आणविक उपकरण विकसित किया है।



➔ मुख्य बिंदु :

- यह उन्नत जैव-प्रौद्योगिकीय तकनीक पौधों में तापीय तनाव, जैविक तनाव (जैसे - रोगजनक हमले) और अन्य प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति सहनशीलता को बढ़ाने में सक्षम है, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और समग्र स्थायित्व में सुधार होगा।

CRISPR-dCas9 तकनीक:

- CRISPR-dCas9 एक संशोधित संस्करण है, जो पारंपरिक CRISPR-Cas9 जीन-संपादन तकनीक से विकसित किया गया है। इस प्रणाली में Cas9 एंजाइम को निष्क्रिय (Dead) कर दिया गया है, जिससे यह DNA को काटने में असमर्थ हो जाता है।

- हालांकि, यह अभी भी गाइड RNA (gRNA) की सहायता से लक्ष्य DNA अनुक्रम को पहचानने और उससे सटीक रूप से जुड़ने की क्षमता बनाए रखता है।
- जहाँ पारंपरिक CRISPR-Cas9 प्रणाली DNA को काटकर जीन में स्थायी परिवर्तन करती है, वहीं CRISPR-dCas9 बिना DNA को क्षति पहुँचाए कार्य करता है। यह तकनीक विशिष्ट जीनों को बदले बिना उन्हें सक्रिय या निष्क्रिय करने की क्षमता रखती है और इस प्रकार एक 'जीन स्विच' की तरह कार्य करती है।
- इस प्रणाली की मदद से जीनों की सक्रियता को अत्यंत सटीक और सुरक्षित ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। जैसे - पौधों में तनाव-प्रतिक्रिया से जुड़े जीन केवल आवश्यक परिस्थितियों में ही सक्रिय होते हैं, जिससे अनावश्यक ऊर्जा व्यय में कमी आती है और पौधे की कार्यक्षमता तथा संसाधन उपयोग में सुधार होता है।

स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट - INS उदयगिरि

→ चर्चा में क्यों?

- 1 जुलाई, 2025 को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDSL) में निर्मित प्रोजेक्ट 17A का दूसरा स्टेल्थ फ्रिगेट यार्ड INS उदयगिरि भारतीय नौसेना में शामिल हुआ।



→ मुख्य बिंदु :

- **डिजाइन** : भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा।
- **विकास** : मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDSL) द्वारा।
- इसमें 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

Daily Current Affairs

Date : 03 July, 2025



- यह सेवा में संलग्न शिवालिक श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) के फ्रिगेट के बाद परियोजना का दूसरा जहाज है।
- इसने पूर्ववर्ती भाप संचालित INS उदयगिरि का स्थान लिया, जिसे 24 अगस्त, 2007 को सेवामुक्त कर दिया था।

मुख्य विशेषताएं :

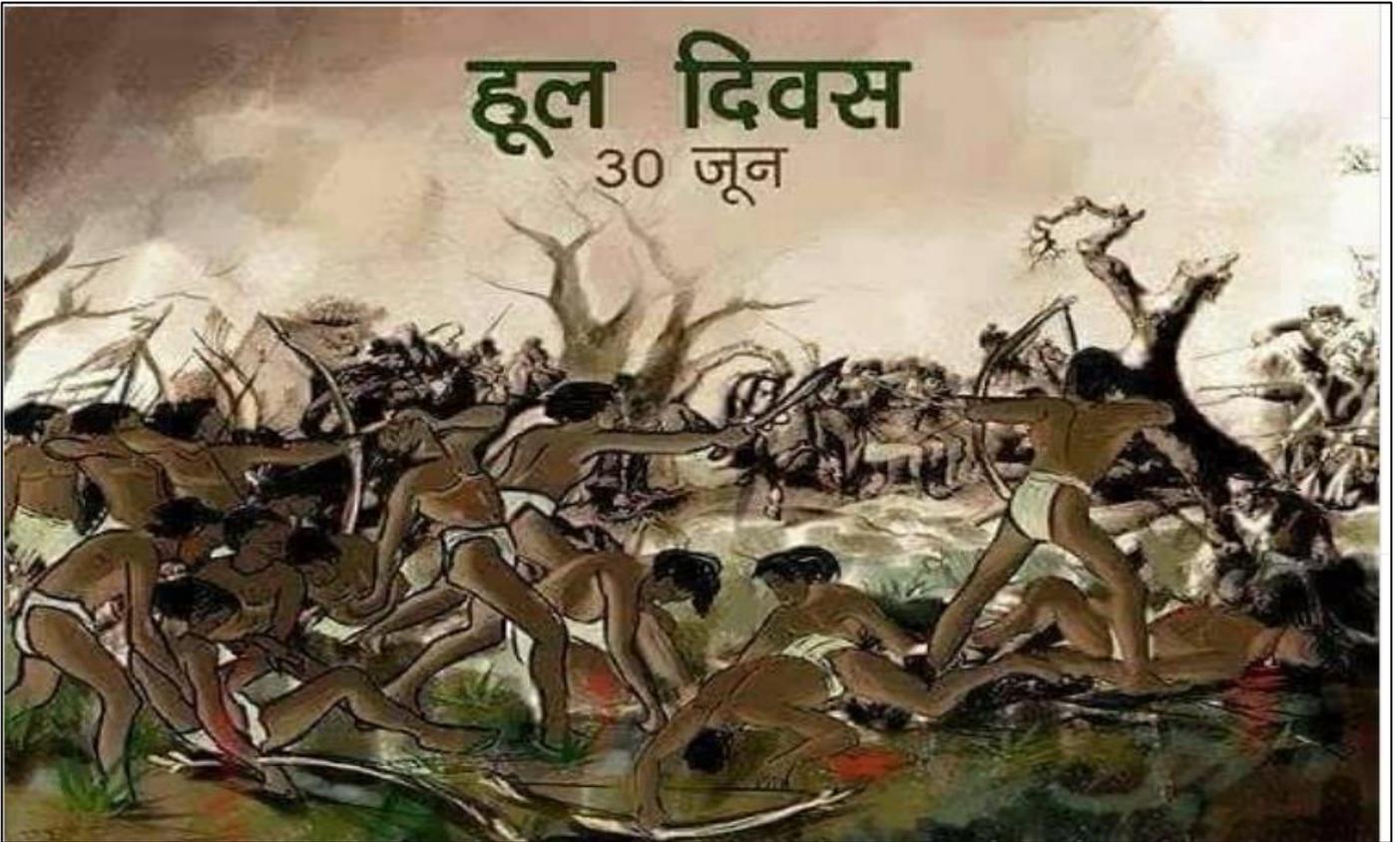
- **प्रणोदन :** कंबाइंड डीज़ल या गैस (CODOG) तकनीक तथा डीज़ल इंजन + गैस टरबाइन का संयोजन।
- इन जहाजों को P-17 वर्ग की तुलना में अधिक आधुनिक और रडाररोधी विशेषताओं वाले उन्नत हथियारों और सेंसर से लैस किया गया है।
- यह सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली से लैस है।

महत्त्वपूर्ण दिवस

संथाल हल दिवस की 170वीं वर्षगाँठ

→ चर्चा में क्यों?

- 30 जून, 2025 को संथाल हल दिवस की 170वीं वर्षगाँठ मनाई गई।



→ मुख्य बिंदु :

- संथाल हल विद्रोह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध भारत में हुए प्रारंभिक किसान आंदोलनों में से एक था।
- यह आंदोलन 30 जून, 1855 को शुरू हुआ और इसका नेतृत्व सिद्धो, कान्हो, चाँद और भैरव मुर्मू सहित उनकी बहनों फूलो और झानो ने किया।

Daily Current Affairs

Date : 03 July, 2025



- विद्रोह का विरोध केवल अंग्रेजों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें उच्च जातियों, ज़मींदारों, दरोगाओं और साहूकारों को भी निशाना बनाया गया, जिन्हें सामूहिक रूप से 'दिकू' कहा जाता था।
- इसका मुख्य उद्देश्य संथाल समुदाय के आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।
- इस विद्रोह के प्रभाव से संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम, 1876 और छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 पारित किए गए, जो भारत में जनजातीय भूमि अधिकारों और सांस्कृतिक स्वायत्तता के संरक्षण के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुए।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

चर्चित व्यक्तित्व

नंदन निलेकणी : 'इंडिया एनर्जी स्टैक' के मुख्य मार्गदर्शक

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विद्युत मंत्रालय ने इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन निलेकणी को 'इंडिया एनर्जी स्टैक' (IES) के निर्माण हेतु गठित टास्क फोर्स का मुख्य मार्गदर्शक नियुक्त किया।



→ मुख्य बिंदु :

- नंदन निलेकणी आधार योजना के कार्यान्वयन के दौरान भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के अध्यक्ष रह चुके हैं।
- 'इंडिया एनर्जी स्टैक' के मुख्य मार्गदर्शक के रूप में नंदन निलेकणी रूपरेखा तैयार करने और यूटिलिटी इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के दायरे को परिभाषित करने में मदद करेंगे।

इंडिया एनर्जी स्टैक:

- 28 जून, 2025 को विद्युत मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक हेतु एक टास्क फोर्स की शुरुआत की घोषणा की।
- इंडिया एनर्जी स्टैक एक अग्रणी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एकीकृत, सुरक्षित और पारस्परिक रूप से संचालन योग्य डिजिटल अवसंरचना का निर्माण करना है।
- यह एक डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) है, जो विद्युत आपूर्ति श्रृंखला में प्रबंधन, निगरानी और नवाचार के लिए एक मानकीकृत, सुरक्षित और ओपन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा।

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>78वीं सीनियर नेशनल एक्वाटिक्स चैंपियनशिप 2025</p>  <p>◆ आयोजन : ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 22 से 26 जून, 2025 तक।</p> <p>◆ प्रथम स्थान : कर्नाटक (कुल 41 पदक जीते, जिसमें 16 स्वर्ण पदक)</p> <p>◆ कर्नाटक के शोअन गांगुली ने 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।</p> <p>◆ दूसरा और तीसरा स्थान क्रमशः तमिलनाडु और महाराष्ट्र का रहा।</p>

2.

कजाकिस्तान में सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढँकने पर प्रतिबंध



- ◆ हाल ही में, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायव ने सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढँकने वाले वस्त्रों को पहनने पर रोक लगाने संबंधी एक कानून पर हस्ताक्षर किए।

3.

एशियन यूथ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025



- ◆ उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एशियन यूथ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 में दिव्यांशी भौमिक ने स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया।
- ◆ दिव्यांशी विगत 36 वर्षों में यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने चीन की झू किही को हराकर U15 गर्ल्स सिंगल्स कॉन्टिनेंटल टाइटल का खिताब अपने नाम किया।
- ◆ इससे पहले इस आयु वर्ग में भारत के लिए यह खिताब सुभ्रमण्यम भवानीस्वरी ने वर्ष 1989 में नई दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में जीता था।

4.

'द वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट'

- ◆ हाल ही में, अमेरिकी सीनेट ने 51-50 के वोट से बहुचर्चित और विवादास्पद 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट' को पारित कर दिया।
- ◆ 887 पन्नों के इस विधेयक में कई बड़े आर्थिक और सामाजिक बदलावों का प्रस्ताव किया गया है।
- ◆ इसमें ट्रंप के वर्ष 2017 टैक्स कट्स को स्थायी रूप देने, बॉर्डर सुरक्षा पर भारी निवेश, ऊर्जा उत्पादन और डिफेंस क्षेत्र में खर्च बढ़ाने का प्रावधान है। वहीं, मेडिकेड और फूड स्टैम्प्स (SNAP) जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों में भी कटौती की गई है।

